Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 22-08-2006
Participants : Darbar Shri Chhatarsingh,Bisen Shri Gauri Shankar Chaturbhuj,Moghe Shri Krishna Murari,Tripathi Shri Chandramani,Singh Shri Ganesh,Patil Shri Shivraj V.

an>

Title : Need to provide flood relief to Madhya Pradesh.

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : अध्यक्ष महोदय, जुलाई और अगस्त माह में आज की दिनांक तक मध्य प्रदेश में भीणतम वार्ा हो रही है। मध्य प्रदेश के 22 जिले अत्यधिक वार्ा से बरबाद हो चुके हैं, लगभग 1000 गांव प्रभावित हुए हैं और लगभग 2 करोड़ आबादी इस वार्ा से क्षतिग्रस्त हुयी है। इससे करोड़ों की फसलें बरबाद हो गयी हैं। अभी तक जो आंकड़े प्राप्त हुए हैं, उसके अनुसार 74 लोगों की जानें चली गयी हैं और 1500 से ज्यादा मवेशियों की मृत्यु हो चुकी है। यह क्षति इतनी ज्यादा हुयी है कि इससे आर्थिक रूप से पिछड़े हुए मध्य प्रदेश को इस स्थिति से ऊपर उठने में काफी समय लगेगा। हम भारत सरकार से अपेक्षा करते हैं कि फसलों की नुकसानी और वहां जो मकान ढहे हैं और साथ ही वहां जो जन-धन की हानि हुयी है, उसकी पूर्ति के लिए भारत सरकार एक विशेा पैकेज दे और केंद्र सरकार एक अध्ययन दल इस नुकसानी का आकलन करने के लिए तत्काल वहां भेजे और भारत के प्रधानमंत्री जी इस पर विशेा रूचि लेकर मध्य प्रदेश की घाटापूर्ति में अपना अधिक से अधिक योगदान दें और अधिक से अधिक राशि प्रदान करें। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not the way to conduct the House. Then you please conduct the House.

… (*Interruptions*)

---

*Not Recorded.

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

श्री चन्द्र मणि त्रिपाठी (रीवा) : अध्यक्ष महोदय, हमने भी सूचना दी है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप वेट कीजिए।

MR. SPEAKER: Shri Ganesh Singh and Shri Chandramani Tripathi will associate with it.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Chattar Singh Darbar will associate. Shri Krishna Murari Moghe is associating. They have given notices.

… (*Interruptions*)

_____

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, भीाण बरसात के कारण मध्य प्रदेश में हजारों लोग बेघर-बार हो गए हैं और जन-धन की भारी क्षति हुई है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is very unfair.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : थोड़ा स्पीकर के बारे में भी सोचिए। वह भी इंसान है, कोई मशीन नहीं है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यहां एक मशीन बिठा दीजिए।

...(व्यवधान)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Just keep quite please. ... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You need not respond to it.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: If you do not want it, I will sit down.

उड़ीसा के लोगों को भी जो तकलीफ हो रही है, हम उस पर ध्यान देंगे। वहां की सरकार से कोई निवेदन आएगा, तो हम उसे देखकर जो भी मदद कर सकते हैं, वह करेंगे। यहां पर दूसरा मुद्दा घृणित कार्य का उठाया गया।

श्री गणेश सिंह (सतना) : मध्य प्रदेश को भी शामिल कर लें।

श्री शिवराज वि. पाटील : वह भी करेंगे।

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : गुजरात को भी ले लीजिए, अभी मिस्त्री जी उस पर कहेंगे।

श्री शिवराज वि. पाटील : प्रदेश सरकारों की तरफ से नैसर्गिक आपदा के बारे में जो भी निवेदन आएंगे, हम उन्हें देखकर जो कर सकते हैं, वह करेंगे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I do not think, hon. Members are anxious to carry on with the House. Let me adjourn the House; let us go home. People will send us home very soon.

... (*Interruptions*)

श्री शिवराज वि. पाटील : बिहार का जो दूसरा मुद्दा यहां उठाया गया, वह दलित महिलाओं और अन्य बहुत सारी महिलाओं के बारे में था। इस मामले पर राज्य सरकार से हम मालूमात करके जो कुछ भी करना होगा, वह करेंगे। राज्य सरकार भी इस पर कार्र वाई करेगी और हम भी करेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : एक तरफ कहा जाता है कि विधि व्यवस्था का मामला राज्य सरकार का विाय है और दूसरी तरफ मंत्री जी ऐसा कह रहे हैं। यह नाइंसाफी की बात है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: One hon. Member is raising an important matter. Please allow him.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav, how can you shout from there? यह ठीक नहीं है।